आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 06.04.2025 समय : 1905

- आज देशभर में रामनवमी का त्यौहार धार्मिक उत्साह और उमंग के साथ मनाया जा रहा है।
- अमृत 2.0 योजना के तहत जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम शुरू किया गया है।
- केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा ''ऑर्गेनिक इंटीग्रेटर्ड सिस्टम'' पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- द्वीपसमूह के कुछ भागों में रूक–रूक कर वर्षा हो रही है।

<><><><><><><>

आज देशभर में रामनवमी का त्यौहार धार्मिक उत्साह और उमंग के साथ मनाया जा रहा है। यह त्यौहार भगवान बिष्णु के सातवें अवतार भगवान राम के अवतरण का प्रतीक है। रामनवमी चैत्र माह के नौवी तिथि को मनाई जाती है। राम नवमी से पूर्व नौ दिन का उपवास रखा जाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस अवसर पर देशवासियों को बधाई दी है। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि राम नवमी हमें धर्म, न्याय और कर्तव्य की भावना का संदेश देती है। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी देशवासियों को रामनवमी की बधाई दी है। सोशल मीडिया पोस्ट में भी उन्होंने कामना की कि प्रभु श्री राम का आशीष हम सब पर बना रहे।

द्वीपसमूह में भी राम नवमी का त्यौहार पूरे आस्था और श्रद्धाभाव से मनाया जा रहा है। विभिन्न मन्दिरों में पूजा–अर्चना के साथ झाकियों के आयोजन किए गए। विश्व हिन्दु परिषद की ओर से राम नवमी के अवसर पर श्री विजयपुरम में विशाल शोभा यात्रा निकाली गई, जो आज शाम साढ़े तीन बजे प्रदर्शनी मैदान से शुरू होकर शहर के विभिन्न भागों से होते हुए नेताजी स्टेडियम में आकर संपन्न हुई। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम और भक्ति संगीत प्रस्तुत किए गए। उधर, हनुमान मन्दिर ब्रुक्शाबाद और चिन्मय मिशन में भी आज राम नवमी के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।

<><><><><><><>

नगरपालिका परिषद ने अमृत 2.0 योजना के तहत जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम के तहत नगर क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों में जल संचय और वर्षा जल संरक्षण विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। पेंटिंग और श्लोगन लेखन कल से

ग्यारह अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता दो श्रेणियों में होगी, जिसमें पहली श्रेणी में पहली से आठवीं कक्षा के छात्र भाग लेंगे, जबकि दूसरी श्रेणी में नवीं से बारहवीं कक्षा तक के छात्र इस विषय पर अपने विद्यालय में नारा लेखन प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। सभी प्रविष्टियों का संग्रह ग्यारह और बारह अप्रैल को किया जाएगा।

<><><><><><><>

''चेस फॉर एवरीवन" – का तीसरा संस्करण कल दक्षिण अंडमान के छोलदारी में संपन्न हुआ, इस आयोजन ने न केवल स्थानीय लोगों को बल्कि दूरदराज से आए शतरंज प्रेमियों को भी आकषित किया। एक अनूठी स्ट्रीट शतरंज पहल के रूप में आयोजित, इस कार्यक्रम में सभी उम्र के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन छोलदारी के पूर्व प्रधान द्वारा किया गया। सहायक निदेशक (खेल) इरशाद अहमद ने शतरंज के लिए एक रोमांचक माहौल तैयार किया। इस आयोजन को स्थानीय समुदाय से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें प्रतिभागियों ने बहुत उत्साह, खेल भावना और खेल के प्रति साझा प्रेम प्रदर्शित किया।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी–2.0 के तहत अब शहरी क्षेत्र में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, निम्न और माध्यम वर्ग के परिवारों को पक्के मकान बनाने, खरीदने या किराए पर लेने में सरकार आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। यह योजना पहले सितम्बर–दो हजार चौबीस से लागू होकर अगले पांच वर्षों तक रहेगी, जिसमें पात्र परिवारों को ढ़ाई लाख रूपए तक की सहायता राशि दी जाएगी। योजना को चार प्रमुख घटकों के माध्यम से लागू कियाज ाएगा। जिसमें लाभार्थी आधारित निर्माण, साझेदारी में किफायती आवास, किराया आवास योजना और ब्याज सब्सिडी योजना शामिल है। इन विकल्पों के माध्यम से लाभार्थी अपने सुविधा के अनुसार विकल्प चुन सकेंगे।

<><><><><><><>

केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा हाल ही में ''ऑर्गेनिक इंटीग्रेटर्ड सिस्टम'' पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कार–निकोबार के आई एफ एस प्रायोगिक क्षेत्र में किया गया, जिसका संचालन क्यारी के निदेशक डॉ. ई वी चाकुरकर ने किया। इस कार्यक्रम में एकीकृत खेती प्रणाली के अंतर्गत किसानों को विभिन्न कृषि गतिविधियों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना और द्वीपों में टिकाउ खेती को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. टी. जयशंकर ने एकीकृत खेती प्रणाली की विशेषताओं और लाभो

को विस्तार से समझाया। उन्होंने क्यारी द्वारा विकसित ओ आई एफ एस की भी जानकारी दी और खेती में विविध फसल परीक्षणों के परिणाम साझा किए। इस अवसर पर वाई राम कृष्णा, डॉ अभिलाष, तलाविया हरसांग कुमार और डॉ. प्रभु उपस्थित थे। कार्यक्रम के समापन सत्र में सभी विभागों के प्रमुखों ने किसानों संवाद किया और उनके प्रश्नों का समाधान किया। इस प्रशिक्षण में कार–निकोबार द्वीप के पन्द्रह किसानों ने भाग लिया।

<><><><><><><>

द्वीपसमूह के इतिहास, सौन्दर्य और संस्कृति एवं विरासत के बारे में जागरूकता पैदा करने के उददेश्य से कला एवं संस्कृति विभाग, द्वीपसमूह से संबंधित विषयों पर लघु फिल्म और फोटो प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है। प्रतियोगिता ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता का विषय इन द्वीपों की प्राकृतिक सुंदरता एवं विरासत, इतिहास, समग्र संस्कृति, वनस्पतियों, जीवों, समुद्री जैव विविधता और पर्यटन पर केन्द्रित हो सकते हैं, जो अण्डमान निकोबार द्वीपसमूह के सार को दर्शाते हैं। इच्छुक प्रतिभागी अपने आवेदन पन्द्रह अप्रैल तक अण्डमान डॉट मॉय गाव डॉट इन पर जमा कर सकते हैं।

<><><><><><><>

भारतीय सेना में अग्निवीर पुरूष एवं महिला भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। भर्ती वर्ष 2025–26 के लिए दस अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह भर्ती अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के युवाओं के लिए भी आयोजित कर जा रही है। इस भर्ती के तहत विभिन्न पदों के लिए आवेदन मांगे गए है। इच्छुक उम्मीदवार अधिकतम दो श्रेणियों के लिए आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन केवल भारतीय सेना के आधिकारिक वेबसाइट www.joinindianarmy.nic. in पर किया जा सकता है। चयनित उम्मीदवारों की लिखित परीक्षा जून माह में आयोजित की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए संबंधित वेबसाइट देखा जा सकता है।

<><><><><><><>

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय ने जून–दो हजार पच्चीस टर्म एंड परीक्षा की असाइंमेंट और इंटर्नशिप रिपोर्ट जमा करने की अंतिम तिथि तीस अप्रैल तक बढ़ा दी है। जो छात्र जून में परीक्षा देना चाहते हैं, उन्हें अपने असाइंमेंट तीस अप्रैल से पहले अपने संबंधित अध्ययन केन्द्रों में जमा करने होंगे। अधिक जानकारी के लिए इग्नू के आधिकारिक वेबसाइट देखी जा सकती है।

<><><><><><><><>

द्वीपसमूह के कुछ भागों में रूक–रूक कर वर्षा हो रही है। मौसम संबंधी पूर्वानुमान में बताया गया है कि द्वीपों के एकाध भागों में तेज हवाओं के साथ भारी वर्षा होने की संभावना है। नौ अप्रैल तक द्वीपसमूह में वर्षा के साथ पैंतीस से पैंतालिस किलोमीटर प्रतिघण्टे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और समुद्र अशान्त रहेगा। मछआरों को सलाह दी जाती है कि वे नौ अप्रैल तक समुद्र में न जाए।

<><><><><><><><>